21.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित-

शिमला, सोमबार, 28 प्रप्रैल, 2003/8 वैशाख, 192

हिमाचल प्रवेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त हमीरपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

ग्रधिसूचना

हमीरपुर, 31 मार्च, 2003

मंख्या पंच-हमीर-1/2003-1390-1407.—में देवेश बुमार (भा०प्र० से०), उपायुक्त, हमीरपुर, जिला हमीर-पुर (हि०प्र०) उन शक्तियों के ब्रघीन जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ब्रधिनियम, 1994 की धारा 131 (2) (4) के ब्रन्तर्गत प्राप्त, है, इस जिला की निम्निलिखित पंचायती राज संस्थाओं के पदाधिकारियों के त्याग पत्नों/मृत्यु के कारण उनके पद रिक्त घोषित करना हूं

क 0 सं 0 जिला/विकास खण्ड का ग्राम पंचायत का नाम पंदाधिकारी का पद का नाम कारण नाम 1 2 3 4 5 6

1. हमीरपुर/भोरंज टिक्कर-डिडवीं रमा कुमारी वाड सदस्य न्याग-पर वाड नं 0 5. 153-राजपन 2003-28-4-2003-1,390. वाड नं (ता 35) मूल्य : 1: इवया 136

	N NEW TRANSPORTER		Accompany to the second		
1	2	3	4	5	6
2.	हमीरपुर/हमीरपुर	मझोग-सुल्तानी	श्राशा रानी	वार्ड सदस्य वार्ड नं 3.	त्याग-पत्र
3.	हमीरपुर/वि झडी	टिवकरी-राजपूता	जगदेव सिंह	वार्ड सदम्य वार्ड नं 0 2.	मृत्यु
4,	हमी रपुर/विझड़ी	उस-नाड़कर्ला	दीना नाथ	उप-प्रधान	मृत्यु
6.	हमीरपुर/हमीरपुर	ब्राहलड़ी	कर्म चन्द	वार्ड सदस्य वार्द नं 0 3.	मृत्यु

नोटिस

संख्या पंच-हमीरपुर (जोड़े श्रम्ब)-1371-75.--क्योंकि खण्ड विकास ग्रधिकारी, विझड़ी, जिला हमीरपुर ने उनके कार्यालय पत्न स0-5442, दिनांक 24-1-2003 के ग्रधीन ग्राम पंचायत जोड़े श्रम्ब का प्रस्ताव सं0 7, दिनांक 14-1-2003 भेजकर जिला पंचायत ग्रधिकारी, हमीरपुर को सूचित किया है कि श्रीमती रीता देवी.

हमीरपुर, 7 ग्रप्रैन, 2003

पंच, वार्ड नं 0 5, ग्राम पंचायत जोड़े ग्रम्ब, दिनांक 29-12-2001 से 14-1-2003 तक लगातार पंचायत बैठकों है से बिना किसी मूचना के श्रनुपस्थित रह रही हैं।
श्रीर क्योंकि श्रीमती रीता देवी, पंच, वार्ड नं 0 5, ग्राम पंचायत जोड़े ग्रम्ब के विरुद्ध उन हारा ग्राम

प्रांचायत की बैठकों से ग्रनुपस्थित रहने के ग्रारोप पर कार्यवाही बार्छिन है।

म्रतः इससे पूर्व कि श्रीमती रीता देवी, पंच, वार्ड नं 0 5, ग्राम पंचायत जोड़े ग्रम्ब के विरुद्ध ग्रागामी

कार्यवाही की जावे, मैं, देवेश कुमार (भा० प्र० से०), उपायुक्त, हमीरपुर, जिला हमीरपुर (हि० प्र०), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रधिनियम, 1994 की धारा 131(1)(ख) व (2) के ग्रन्तगंत उन्हें नोटिस जारी करता हूं कि वह ग्रधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 29-4-2003 को ग्राम पंचायत की बैठकों में मनुपस्थिति के कारण स्पप्ट करने के लिए व्यक्तिगत रूप से सुनवाई हेतु पेश होवें ग्रन्यथा मनुपस्थिति की ग्रवस्था में मामला एकतरफा निणीत किया जायेगा।

देवेश कुमार, उपायुक्त, हमीरपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त, कांगड़ा स्थित धर्मणाला

प्रधिसूचना

धर्मणाला, 10 ग्रप्रैल, 2003

क्रमांक पंच-के 0जी 0ग्रार 0-निर्वाचन-2151.— उन शक्तियों के ग्रधीन जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रिधिनियम, 1994 की धारा 126 जिसे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियमावली, 1997 के नियम, 124 के अधीर प्रदत्त हैं, मैं, प्रबोध सक्सेना (भाग प्रविस्ति) उपायुक्त, कांगड़ा स्थित धर्मणाला पंचायत समिति रैत, जिला कांगड़ा के उप-चुनाव में निर्वाचित अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के नामों का प्रकाशन निम्न सारणी अनुसार अधिसूचित करता है:—

* 0	निर्वाचित सदस्यों के नाम	पद	पता
1	2	3	4
1.	श्री परस राम	घ्रष्टाख	सुपुत्र स्वर्गीय श्री साली राम, गांव व डाकघर चड़ी, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।
2.	श्री ग्रोम प्रकाण	उपाः यक्ष	सुपुत श्री बखणीण सिंह, मकान नं 0 153, शाम नगर, धर्मणाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।

प्रबोध मक्सेना, उपायुक्त, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश ।

कार्यालय जिला पंचायत ग्रिधिकारी, जिला किन्नीर स्थित रिकांग पीग्रो हिमाचल प्रदेश

कार्यालय प्रादेण

रिकांग पीम्रो, 9 अप्रैल, 2003

सं0 कनर-पंच (निर्वाचन) 158/61-7202-08--श्री ज्याम सिंह नेगी, सदस्य, वार्ड नं0 1, प्राप्त पंचायन काफनू, विकास खण्ड निचार ने अपने पद से त्याग-पव दिया है जो कि विकास खण्ड श्रीधकारी, निचार ने अपने कार्यालय पत्र सं0 11, दिनांक 4-4-2003 द्वारा अपनी सिफारिण सहित स्वीकृति हेतु इस कार्यालय को भेजा है।

ग्रतः मैं, सतीश शर्मा, जिला पंचायत ग्रधिकारी, जिला किन्नोर, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रधिनियम, 1994 की धारा 130 तथा हिमाचन प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम, 135(2)(1) के अन्तर्गत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्याम सिंह नेगी का न्याग-पत्न तत्काल प्रभाव में स्वीकृत करता है।

> सतीश शर्मा, जिला पंचायत[®]श्रधिकारी, जिला किन्नौर स्थित रिकांग पीग्रो, हिमाचल प्रदेश ।

कार्यालय उपायुक्त कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय भादेश

172

कुल्लू, 31 मार्च, 2003

मध्या पी 0 मी 0 एच 0 (कु 0) कारण बताओ/त्याग-पत-645-50 — यह कि श्रीमती विमला, वार्ड पंच, प्राम पंचायत वजीरा, वार्ड संख्या 3, विकास खण्ड कुल्लू, जिला कुल्लू को इस कार्यालय द्वारा कारण बताओं नोटिस पंजीकृत संख्या पी 0 सी 0 एच 0 (कु) 426-30, दिनांक 7 मार्च, 2003 द्वारा 15 दिन के भीतर-भीतर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिये गये थे, कि क्यों न उन्हें हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 (1) के खण्ड (ण) के अन्तर्गत पंच पद पर पदासीन रहने के अयोग्य मानते हुए पद को रिक्त घोषित किया जाए।

तथा यह कि निर्धारित समयावधि समाप्त होने के पश्चात् भी उक्त पंचायत पदाधिकारी से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ जिससे यह माना गया कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है। क्योंकि उनके 8 जून, 2001 के बाद आठवीं सन्तान दिनांक 17-9-2001 को उत्पन्न हुई है। जिसके कारण वह हि0 प्र0पंचायती राज श्रधिनियम की संशोधित धारा 122 (1)(ण) के श्रन्तगंत पंचपद पर बने रहने के श्रयोग्य हो गये हैं जिस कारण उन के इस पद को रिक्न घोषित करना अनिवार्य हो गया है।

अंतः में, आर0 डी0 नजीम, उपायुक्त, कुल्लू उन णिक्तयों के श्रन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, की संशोधित धारा 122 (1) के खण्ड (ण) व 122 (2) के अधीन प्राप्त है, श्रीमती विमला वाडं पंच, ग्राम पंचायत कजीरा, वार्ड संख्या 3, विकास खण्ड कुल्लू. जिला कुल्लू को तत्काल पंच पद पर रहने के अयोग्य घोषित करता हूं तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 131 (1) के प्रावधान अनुसार पंच पर को रिक्त घोषित करता हूं।

क्ल्लू, 31 मार्च, 2003

संख्या पी 0 सी 0 एच 0 (कृ 0) त्याग-पत्र-633-38 — यह कि प्रधोहस्ताक्षरी द्वारा श्री चांद कुमार, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत शाट. गांव व डा 0 धारा, विकास खण्ड कुल्लू को इस कार्यालय के पत्र संख्या 431-35, दिनांक 7-3-2003 को पांचवीं मंतान के जन्मोपरान्त अपनी स्थित स्पष्ट करने हेत कारण वताग्रो नोटिस जारी किया गया था।

यह कि श्री चौद कुमार, उप-प्रधान द्वारा दो से श्रधिक मन्तान के जन्मोपरान्त स्वेच्छा में नैतिकता के आधार पर अपने पद से त्याग-पत्न दे दिया है। जिसे जिला पंचायत श्रधिकारी कुल्लू द्वारा कार्यालय श्रादेण संख्या पी0 सी0 एच0 (कु) त्याग-पत्न 512-17, दिनांक 26-3-2003 द्वारा स्वीकृत किया जा चुका है। अतः इस कार्यालय द्वारा जारी कारण बताओं नोटिस को रदेद किया जाता है।

कारण बताय्रो नोटिस

अंक्ष्मी के नदश्य क्या किया कुल्लू, 31 मार्च, 2003 है। क्रिकेट के क्रिकेट क्या क्या क्या का

संख्या पी० सी० एच० (कु०) कारण वताम्रो/त्याग-पत्न-628-32.—-एतद्द्वारा श्रीमती कौमत्या देवी, वार्ड पंच, ग्राम पंचायत भलयाणी, वार्ड संख्या ७ जठानी, विकास खण्ड कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की घारा 122 के खण्ड (ण) की ग्रोर ग्राकृष्ट किया जाता है जो निम्नत: है कि क्या जाता

ি ি । (ण) यदि उसके दो से ग्रधिक जीवित सन्तान है। परन्तु खण्ड (ण) के ग्रधीन निरर्हता उस व्यक्ति े को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) श्रधिनियम, नियम, 2000 के प्रारम्भ होने होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की ग्रवधि के पण्चान ग्रीर सन्तान नहीं होती।"

स्रतः क्योंकि हिमानन प्रदेग पंत्रायनी राज (मंशोधन) प्रिधितियम, 2000, 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) का प्रावधान 8 जून, 2001 मे प्रभावी होता है स्रर्थात् 8 जून, ॣ्री01 के पण्चात् यदि किमी पंचायन पदाधिकारी के जिसके इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से स्रिधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पण्चान अतिरिक्त सन्ताने या मन्तान उत्पन्न होती है तो वह पंचापती राज संस्था में पदासीन रहने के स्रयोग्य होगा।

खण्ड विकास अधिकारी कुल्ल ने अपने पत्र संख्या 7191. दिनांक 3-3-2003 द्वारा इस कार्यालय को स्थित किया है कि आपके दिनाक 14-4-2002 को तोसरी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रिजस्टर के ऋमांक 13, दिनांक 7-5-2002 में दर्ज है जो कि पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत विणित अयोग्यता में आता है।

श्रतः श्रापको निर्देश दिए जाते हैं कि ग्राप इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में ग्रपता पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न ग्रापके विषद्ध हिमानल प्रदेश पंचायती राज प्रधिनियम, 1994 की धारा 131(क) के अधीन कार्यवाही ग्रमन में लाई जाए।

कार्यालय ग्रादेश

कुल्लू, 8 ग्रप्रैल, 2003

संख्या पी0 सी0 एव0 (कु0)-कारण-वतायो-698-703.—यह कि इस कार्यालय के पंजीकृत पत्न संख्या पी0 सी0 एव0 (कुल्लू)-कारण-वतायो-2483-88, दिनांक 3 सितम्बर. 2002 द्वारा श्रीमती मीरा देवी. प्रधान, याम पंचायत चायल, विकास खण्ड निरमण्ड, जिला कुल्लू को ग्राम पंचायत चापत की दिनांक 24-3-2002, 6-4-2002, 7-4-2002, 24-4-2002, 7-5-2002, 7-6-2002, 24-6-2002, 7-7-2002. 7-8-2002 तथा 24-8-2002 को हुई बैठकों में लगातार 11 वैठकों में श्रन्पस्थित रहने पर ग्रपनी स्थित साष्ट करने हेतु. कारण वतायो नोटिस जारी किया गया था।

यह कि श्रीमती मीरा देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत चायल, विकास खण्ड निरमण्ड द्वारा कारण वतास्रो नोटिस के उत्तर में श्राग्रह किया गया था कि तथ्यों की जांच करवाई जाए।

यह कि उक्त प्रधान के आग्रह अनुसार तथ्यों की जांच खण्ड विकास प्रधिकारी निरमण्ड के माध्यम से करवाई गई जिसकी जांच रिगोर्ट खण्ड विकास अधिकारी निरमण्ड से जिसके पत्र गंख्या 2961. दिनांक 25-11-2002 के अन्तर्गत इस कार्यालय को पाप्त हुई जिसमें उन्होंने व्यक्त किया है कि उक्त प्रधान बास्तव में ही दिनांक 24-3-2002 से निरीक्षण की दिनांक 28-9 2002 तक रिकार्ड अनुसार पंचायन बैठकों से नगानार अनुपस्थित रही जिस कारण लोगों को समय पर आवश्यक प्रमाण-पत्र जारी नहीं किये जा सके। इसके अनिरिक्त पंचायत कार्यों में भी बाधा उत्पन्त हुई एवं पंचायत विकास कार्यों को समय पर पूर्ण नहीं किया जा सका। खण्ड विकास अधिकारी की जांच रिपोर्ट व तथ्यों की जांच करने पर श्रीमती मीरा देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत का उत्तर सन्तोय-जनक नहीं पाया गया। जिस कारण उनके विरुद्ध हिमाचल प्रदेग पंचायती राज अधिनियम, 1994 के अधीन कार्यवाही की जानी आवश्यक है।

भतः मै, ब्रार्थ डी । नजीम, उरायुक्त, कुल्लू, जिला कुल्लू उन णक्तियों का प्रयोग करते हुए जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ब्रधिनियम, 1994 की धारा 131(1)(ब्री)(2) के अन्तर्गत प्राप्त है, के प्रावधान की अनुपालना में ग्राम पंचायत नायन, विकास खण्ड निरमण्ड के प्रधान पद को तत्काल रिक्त घोषित करता है।

ग्रार० डी० नजीम.

- उपायुक्त.

कृत्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

कार्यालय श्रादेश

मण्डी, 31 मार्च, 2003

संख्या पी0 सी0 एच-एम0 एन0 डी-ए (1) 61/92-III-1544-63.—हिमाचलप्रदेश पंचायती राज प्रधिनियम, 1994 की धारा 130 व 131 (4) व हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 135 के अनुसरण में मैं, जो0 पी0 मिंह, उपायुक्त, मण्डी जिला मण्डी हि0 प्र0, जिला मण्डी के पंचायती राज मंस्थाओं के निम्न विवरणनुसार पदाधिकारियों के विवरणिका के कालम 5 में दर्शाए कारणों के प्राधार पर प्राप्त त्याग-पत्नों के स्वीकार होने की दशा में तथा अन्य आकस्मिक रिक्तियां होने की दशा में नियमानुसार पदों को विधिवत रिक्त घोषित करता हूं। रिक्त पदों के प्रति नियमानुमार निर्वाचित पदाधिकारी केवल पंचायत के शेष कार्याकाल तक पदासीन रहेंगें।

क0 हं0	विकास खण्ड का नाम	ग्राम पंचायत का नाम	त्याग-पत्न देने वाले पदाधिकारी कानाम व पद	रिक्त होने का कारण
1	2	3	4	5
1.	द्वंग	लेर-धरवासडा	श्री सुरेन्द्र पाल, प्रधान	विधायक चुने जाने के कारण ।
2.	द्वंग	बथेरी	श्रीमती दुर्गी दे वी, पंच वार्ड नम्बर 5 ग्रलगण	नौकरी पर लग जाने कें कारण।
3.	ध र्मपु र	घलारा	श्री रमेश चन्द,पंच, वार्ड नं 0 4 चतरोण	घरेलू परिस्थितियों के कारण ।
4.	धर्मपुर	धलाश	श्रीमती जानकी देवी, पंच वार्ड नम्बर 5 भदराणू ।	–यथोपरि–

मण्डी, 7 ग्रप्नैल, 2003

संख्या पी0 सी0 एन०-एम0 एन0 डी०/2001-1758-65.—यह कि इस कार्यालय को प्राप्त सूचना दिनांक 19-10-2002 के प्रन्तर्गत श्रीमती ग्राणा देवी, पंच. ग्राम पंचायत वाता री ब्यूह, विकास खण्ड द्रंग, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश के दिनांक 8-6-2001 के पश्चात तीसरी जीवित सन्तान उत्पन्न हुई है। प्राप्त उक्त सूचना के दृष्टिगत श्रीमती ग्राणा देवी, पंच, ग्राम पंचायत वाता री ब्यूह को इस कार्यालय द्वारा जारी कारण बताग्रो नोटिस संख्या पी0 सी0 एच-एम0 एन0डी०/2001-5912-16 दिनांक 30-10-2002 के ग्रधीन 15 दिनों के भीतर-भीतर स्थित स्पष्ट करने के निर्देश किये गये कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रिधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) के अन्तर्गत उन्हें पद पर बने रहने के ग्रयोग्य घोषित किया जाये।

उपरोक्त के सन्दर्भ में उक्त पंचायत पदाधिकारी से कोई स्पष्टीकरण लिखित ग्रयवा मौखिक रूप से प्राप्त नहीं हुआ, जबकि नोटिय में स्पष्ट किया गया था कि स्पष्टीकरण प्राप्त न होने की दशा में यह माना जाएगा कि उन्हें ग्रपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है । तथा यह कि ग्राम पंचायत एवं विकास खण्ड ग्रिधिकारी, ग्राम पंचायत वातारी ब्यूह से पंचायत ग्रिमिनेख पर ग्राधारित जन्म प्रमाण-पत्न दिनांक 30-6-2001 तथा परिवार रिजस्टर अनुसार ग्राम चनेहड के परिवार संख्या 5/2 की प्राप्त प्रमाणित प्रतियों श्रनुसार श्रीमती ग्राणा देवी पत्नी श्री रवी राम, ग्राम चनेहड, ग्राम पंचायत वातारी ब्यूह के दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् दिनांक 30-6-2001 को तीमरी मन्तान पुत्न के उत्पन्न होने की पुष्टि होती है इस प्रकार उक्त पंचायत पदाधिकारी हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रीधिनयम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) में विणत ग्रयोग्यता की परिधि में ग्राने हैं। यह प्रावधान दिनांक 8-6-2001 से प्रभावी है।

ऊपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में उपरोक्त पंचायत पदाधिकारी का भ्रपने पद पर पदासीन रहना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 व सम्बन्धित नियमों में उद्घृत प्रावधानों के प्रतिकृल होगा।

श्रत: मैं, जे 0 पी 0 सिंह (भा 0 प्र 0 से 0), उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचा प्रदेश उन शक्तियों का प्रयोग करते हुये जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अश्रित्यम की 1994 धारा 122 (1) के खण्ड (ण) व 122 (2) के अन्तर्गत प्राप्त हैं, श्रीमती आशा देवी, पंच, प्राम पंचायत वातारी ब्यूह, विकास खण्ड ब्रंग को तत्काल अपने पद पर आसीन रहने के अयोग्य घोषित करता हूं तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) व (2) के प्रावधान की अनुपालना में ग्राम पंचायत वातारी ब्यूह, विकास खण्ड ब्रंग के वार्ड 1 चनेहड़ के पद को रिक्त घोषित करता हूं।

मण्डो, 7 म्रप्रैल, 2003

संख्या पी0 सी0 एन०-एम0 एन0 डी०/2001-1782-89.—यह कि इस कार्यालय को प्राप्त सूचना दिनांक 19-8-2002 के अन्तर्गत श्रीमती गीता देवी, प्रधान, ग्राम पंचायन कमान्द विकास खण्ड सदर (मण्डी), जिला मण्डी हिमाचल प्रदेश के दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् तीसरी जीवित सन्तान उत्तपन्न हुई है। प्राप्त उक्त सूचना के दृष्टिगत श्रीमती गीता देवी, ग्राम पंचायत कमान्द को इन कार्यालय द्वारा जारी कारण बनाग्रो नोटिस संख्या पी0 सी0 एन०-एम० एन० डी०/2001-4904-08, दिनांक 27-8-2002 के प्रधान 15 दिन के भीतरभीतर स्थित स्पष्ट करने के निर्देश किए गए कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज ग्रिधिनयम, 1994 की धारा 122(1) के खण्ड (ण) के ग्रन्तर्गत उन्हें पद पर बनें रहने के ग्रयोग्य घोषित किया जाये।

उपरोक्त के संदर्भ में उक्त पंचायत पदाधिकारी से कोई स्पष्टीकरण लिखित श्रयवा मौखिक रूप से प्राप्त नहीं हुन्ना, जबिक नोटिस में स्पष्ट किया गया था कि स्पष्टीकरण प्राप्त न होने की दणा में यह माना जायेगा कि उन्हें श्रपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

तथा यह कि ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत कमान्द से पंचायत अभिलेख पर आधारित जन्म प्रमाण-पन्न दिनांक 22-7-2001 तथा परिवार रिजस्टर अनुसार ग्राम खनाहर के परिवार संख्या को प्राप्त प्रमाणित प्रतियों अनुसार श्रीमती गीता देवी पत्नी/पित श्री शेर सिंह, ग्राम खनाहर, ग्राम पंचायत कमान्द के दिनांक 8-6-2001 के पष्चात् दिनांक 1-7-2001 को तीसरी सन्तान पुनी के उत्पन्न होने की पुष्टि होती है। इस प्रकार उक्त पंचायत पदाधिकारी हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनयम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) में विणत अयोग्यता की परिधि में आते हैं। यह प्रावधान दिनांक 8-6-2001 से प्रभावी है।

ऊपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में उपरोक्त पंचायत पदाधिकारी का भपने पद पर पदासीन रहना हिमाजल भदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 व सम्बन्धित नियमों में उध्द्वत प्रावधानों के प्रतिकूल होगा।

धतः मैं जे0 पी0 सिंह (भा0 प्र0 से0) उपायुक्त मण्डी जिला मण्डी हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की खारा 122(1) के खण्ड (ण) व 122(2) के अन्तर्गत प्राप्त हे, श्रीमित गोता देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत कमान्द, विकास खण्ड सदर (मण्डी) को तत्काल श्रपने पर पर आसीन रहने क अगोग्य घोषित करता हूं तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज श्रिधिनयम, 1994 की धारा 131 (1) व (2) को प्रावधान की अनुपालना में ग्राम पंचायत कमान्द विकास खण्ड सदर के प्रधान के पद को रिक्स घोषित करता हूं।

मण्डी, 7 अप्रैल, 2003

संख्या पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0-/2001-1766-76. — यह कि इस कार्यालय को प्राप्त सूचना दिनांक 22-11-2002 के अन्तर्गत श्री मनसा राम, पंच, प्राम पंचायत सोरता, विकास खण्ड करसोग, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश के दिनांक 8-6-2001 के पश्चात तीसरी जीवित सन्तान, उत्पन्न हुई है प्राप्त उक्त सूचना के दृष्टिगत श्री मनसा राम, प्राम पंचायत सोरतां को इस कार्यालय द्वारा कारण बताओं नोटिस संख्या पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0-2001-6698-6700, दिनांक 31-12-2002 के प्रधीन 15 दिन के भीतर-भीतर स्थित स्पष्ट करने के निर्देश दिये गये कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) के अन्तर्गत उन्हें पद पर बने रहने के प्रयोग्य धोषित किया जाये।

उपरोक्त के संदर्भ में उक्त पंचायत पदाधिकारी से कोई स्पष्टीकरण लिखित ग्रथवा मौखिक रूप से प्राप्त नहीं हुमा, जबिक नोटिस में स्पष्ट किया गया था कि स्पष्टीकरण प्राप्त होने की दणा में यह माना जायेगा कि उन्हें ग्रपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

तथा यह कि ग्राम पंचायत एवं विकास ग्रिधिकारी, ग्राम पंचायत सोरतां से पंचायत ग्रिभिलेख पर भ्राधारित जन्म प्रमाण पत्न दिनांक 27-5-2002 तथा परिवार रिजस्टर भ्रनुसार ग्राम मढीधार के परिवार संख्या 42 की प्राप्त प्रमाणत प्रतियों अनुसार श्री मनसा राम, पंच सुपुत्न श्री संत राम, ग्राम मढीधार, ग्राम पंचायत सोरतां के दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् दिनांक 14-5-2002 को तीसरी सन्तान पुत्री के उत्पन्न होने की पुष्टि होती है। इस प्रकार उक्त पंचायत श्रीधकारी, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज श्रीधिनयम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) के विणत ग्रयोग्यता की परिधि में भाते हैं। यह प्रावधान दिनांक 8-6-2001 से प्रभावी है।

ऊपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में उपरोक्त प्रवायत पदाधिकारी का अपने पद पर पदासीन रहना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 व सम्बन्धित नियमों में उक्त प्रावधानों के प्रतिकूल होगा।

ग्रतः मै, जे 0 पी 0 सिंहू (भा 0 प्र 0 से 0), उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी (हि 0 प्र 0) उन शक्तियों का प्रयोग करते हुये जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) व 122 (2) के अन्तर्गत प्राप्त है, श्री मनसा राम, पंच, ग्राम पंचायत सोरतां, विकास खण्ड करसोग, को तत्काल अपने पद पर आसीन रहने के अयोग्य घोषित करता हूं तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) व (2) के प्रावधान की अनुपालना में ग्राम पंचायत सोरतां, विकास खण्ड करसोग के 4—मढीधार के पद को रिक्त घोषित करता हूं।

मण्डी, 7 भप्रैल, 2003

कमांक पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0/2001- 1774-81.—यह कि इस कार्यालय को प्राप्त सूचना दिनांक 22-11-2002 के प्रन्तर्गत श्री ठाकुर सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत पांगणा, विकास खण्ड करसीग, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश के दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् तीसरी जीवित सन्तान उत्पन्त हुई है। प्राप्त उक्त सूचना के दृष्टिगत श्री ठाकुर सिंह, ग्राम पंचायत पांगणा को इस कार्यालय द्वारा जारी कारण बताश्रो नोटिस संख्या पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0/2001-9 695-97, दिनांक 31-12-2002 के प्रधीन 15 दिन के भीतर-भीतर स्थित स्पष्ट करने के निर्देश किए गए कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज ग्राधिनयम, 1994 की धारा 122(1) के खण्ड (ण) के श्रन्तर्गत उन्हें पद पर बने रहने के ग्रयोग्य घोषित किया जाए।

उपरोक्त के गन्दर्भ में उक्त पंचायत पदाधिकारी से कोई स्पष्टीकरण लिखित ग्रयया मोलिक रूप से प्राप्त नहीं हुग्ना, जबकि नोटिस में स्पष्ट किया गया था कि स्पष्टीकरण प्राप्त न होने की दणा में यह माना गाएगा कि उन्हें भ्रपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

तथा यह कि ग्राम पंचायत एवं यिकास ग्रिशिकारी, ग्राम पंचायत पांगणा से पंचायत श्रीभलेख पर अधारित जन्म प्रमाण-पत्न दिनांक 6-10-2002 तथा परिवार रिजल्डर ग्रन्तार ग्राम पांगणा के परिवार संख्या 123 की प्राप्त प्रमाणित प्रतियों ग्रनुसार श्री ठाकूर मिंह मुख्य श्री मृन्दर सिंह, ग्राम पांगणा, ग्राम पंचायत पांगणा के दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् दिनांक 25-9-200% को तीसरी सन्तान पुत्र के उत्पन्न होने की पृष्टि होती है। इस प्रकार उक्त पंचायत पदाधिकारी, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रिधिनियम, 1994 की द्वारा 122(1) के खण्ड (ण) में विणित ग्रयोग्यता की ।रिश्री में ग्राने हैं। यह प्रावधान दिनांक 8-6-2001 से प्रभावी है।

ऊपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में उपरोक्त पंजाया प्राधिकारी का धपने पद पर रहना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज श्रीवित्यस, 1994 व सम्बन्धित नियमां में उध्द्वन प्रावधानों के प्रतिकात होगा।

मतः मैं, जे0 पी0 सिंह (भा0 प्र0 से0), उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) के खण्ड (ण) व 122 (2) के अन्तर्गत प्राप्त हैं, श्री ठाकुर सिंह, उप-प्रधान प्राम पंचायत पांगणा, विकास खण्ड वाग्मांग तो तन्काल अपने पद पर त्रासीन रहने के अयोग्य घोषित करता हूं तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज श्रधिनियम, 1934 की धारा 131(1) व (2) के प्रावधान की अनुपालना में आम पंचायत पांगणा, विकास खण्ड करसींग के उप-प्रधान के पद की रिक्त घोषित करता हूं।

मण्डी, 7 भन्नेल. 2003

कमांक पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0/200 1-1735-42.—यह कि इस कार्यालय को प्राप्त सूचना दिनांक 22-10-2002 के प्रन्तांत श्री लाल सिंह, उप-प्रधान प्राम पंचायत जिल्हण, विकास खण्ड दंग, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेण के दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् तीमरी जीवित सन्तान उत्पन्न हुई है। प्राप्त उक्त सूचना के वृष्टिगत श्री लाल सिंह, याम पंचायत जिल्हण को इस कार्यालय द्वारा जारी कारण बताश्रो नोटिस संख्या पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0/2001-5907-11, दिनांक 30-10-2002 के ग्रंधीन 15 दिन के भीतरभीतर स्थित स्पष्ट करने के निर्देण किए गए कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेण, पंचायती राज श्रिधिनयम, 1994 की धारा 122(1) के खण्ड (ण) के श्रन्तांत उन्हें पद पर बने रहने के ग्रयोग्य घोषित किया जाए।

उपरोक्त के संदर्भ में उच्त पंचायत पदाधिकारी से कोई स्पष्टीकरण लिखित ग्रथवा मौखिक रूप से प्राप्त नहीं हुआ, जबकि नोटिस में स्पष्ट किया गया था कि स्पष्टीकरण प्राप्त न होने की दणा में यह माना जाएगा कि उन्हें ग्रपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

तथा यह कि ग्राम पंचायत एवं विकास खण्ड ग्रिधकारी, ग्राम पंचायत जिल्हुण से पंचायत ग्रीभलेख पर ग्राधारित जन्म प्रमाण-पत्न दिनांक 13-5-2002 तथा परिवार रजिस्टर ग्रनुसार ग्राम जिल्हुण के परिवार संख्या 25 की प्राप्त प्रमाणित प्रतियों ग्रनुसार श्री लाल सिंह सुपुत्र श्री भाटकू, ग्राम जिल्हुण, ग्राम पंचायत जिल्हुण के दिनांक 8-6-2001 के प्रचात् दिनांक 15-4-2002 को पांचवीं सन्तान पुत्री के उत्पन्त होनें की पुष्टि होती है। इस प्रकार उक्त पंचायत श्रीधकारी, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रीधितयम, 1994 की धारा 122(1) के खण्ड (ण) में वर्णित ग्रयोग्यता की परिधि में ग्राते हैं। यह प्रावधान दिनांक 8-6-2001 से प्रभावी है।

उपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में उपरोक्त पंचायत पदाधिकारी का ग्रयने पद पर पदासीन रहना हिमाचल प्रदेण पंचायती राज अधिनिशम, 1994 व सम्बन्धित नियमों में उध्द्वत प्रावधानों के प्रतिकूल होगा। म्रतः मै, जे0 पी0 सिंह (भा0 प्र0 से0), उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) के खण्ड (ग) व 122(2) के अन्तर्गत प्राप्य हैं, श्री लाल सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायन जिल्हण, विकास खण्ड इंग को तत्काल अपने पद पर भासीन रहने के भयोग्य घोषित करता हूं तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) व (2) के प्रावधान की अनुपालना में ग्राम पंचायत जिल्हण, विकास खण्ड इंग के उप-प्रधान के पद को रिक्त घोषित करता हूं।

मण्डी, 7 भ्रप्रैल, 2003

क्रमांक पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0/2001-1743-49. — यह कि इस कार्यालय को प्राप्त सूचना दिनांक 15-7-2002 के अन्तर्गत श्री सुन्दर सिंह, पंच ग्राम पंचायत जंजैहली, विकास खण्ड सराज, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश के दिनांक 8-6-2001 के पश्चात तीसरी जीवित सन्तान उत्पन्न हुई है। प्राप्त उक्त सूचना के दृष्टिगत श्री सुन्दर सिंह ग्राम पंचायत जंजैहली को इस कार्यालय द्वारा जारी कारण बताओं नोटिस संख्या पी0 सी0एन0-एम0 एन0 डी0/2001-4072-76, दिनांक 19-7-2002 के ग्रधीन 15 दिन के भीतर-भीतर स्थित स्पष्ट करने के निर्देश किये गये कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज प्रधिनियम, 1994 की धारा 122(1) के खण्ड (ण) के अन्तर्गत उन्हें पद पर बने रहने के अयोग्य धोषित किया जाये।

े टारोक्त के संदर्भ में उक्त पंचायत श्रिष्ठकारी में कोई स्पष्टीकरण लिखित श्रयत्रा मौखिक रूप से प्राप्त , नहीं हुगा, जबकि नोटिस में स्पष्ट किया गया था कि स्पष्टीकरण प्राप्त न होने की दणा में यह माना जायेगा कि उन्हें भ्रपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है ;

तथा यह कि याम पंचायत एवं विकास ग्रधिकारी, ग्राम पंचायत जंजहली से पंचायत अभिलेख पर ग्राधिति जन्म प्रमाण-पत्र दिनांक 5-12-2001 तथा परिवार रिजस्टर श्रनुसार ग्राम जंजेहली (ब्योड) के परिवार संख्या 453 को प्राप्त प्रमाणित प्रतियों ग्रनुसार श्री सुन्दर सिंह पंच सपुत्र श्री लोहारू, ग्राम जंजेहली (ब्योड) ग्राम पंचायत जंजेहली के दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् दिनांक 20-11-2001 को तीसरी सन्तान पुत्र/पुत्री के उत्पन्न होने की पुष्टि होती है। इस प्रकार उक्त पंचायत पदाधिकारी, हिमाचन प्रदेश पंचायती राज ग्रिधिनियम, 1994 की बारा 122 (1) के खण्ड (ण) में विणित ग्रयोग्यना की परिधि में ग्राते हैं। यह प्रावधान दिनांक 8-6-2001 में प्रभावी है।

उपर विणित तथ्यों के प्रकाश में उपरोक्त पंचायत पदाधिकारी का ग्रपने पद पर पदासीन रहना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्राधिनियम, 1994 व सम्बन्धित नियमों में उद्धत प्रावधानों के प्रतिकृत होगा ।

ग्रतः मैं, जे0 पी0 मिंह (भा0 प्र0 से0), उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों का प्रयोग करते हुये जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज प्रधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ए) व 122(2) के ग्रन्तगंत प्राप्त है, मुन्दर सिंह, पंच ग्राम पंचायन जंजैहली, विकास खण्ड मराज को तत्काल भपने पद ग्रसीन रहने के ग्रयोग्य घोषिन करता हूं तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रधिनियम 1994 की धारा 131(1) व (2) के प्रावधान की ग्रनुपालना में ग्राम पंचायन जंजैहली, विकास खण्ड मराज के वार्ड-7 जंजैहली-4 के पद को रिक्त घोषित करता हूं।

मण्डी, 7 ग्रप्रैल, 2003

संख्या पी० सी० एन०-एम० एन० डी/2001-1750-57. — यह कि इस कार्यालय को प्राप्त सूचना दिनांक 12-8-2002 के ग्रन्तगंत श्रीमती दासी, प्रधान, ग्राम पंचायत सुधार, विकास खण्ड द्रंग, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश के दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् तीमरी जीवित संतान उत्पन्न हुई है। प्राप्त उक्त सूचना के दृष्टिगत श्रीमती भाग दांसी, ग्राम पंचायत सुधार को इस कार्यालय द्वारा जारी कारण बताश्री नोटिस संख्या पी० सी० एन०-एम० एन० डी०/2001-4909-13, दिनांक 27-8-2002 के ग्राधीन 15 दिन के भीतर-भीतर स्थित स्वर्ध

करने के निर्देश किए गए कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज ग्रिधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) के ग्रन्तर्गन उन्हें पद पर चने रहने के ग्रयोग्य घोषित किया जाए।

उपरोक्त के संदर्भ में उक्त पंचायत पदाधिकारी से कोई स्पष्टीकरण लिखित ध्रथवा मौखिक रूप मे प्राप्त हिं हुआ जबिक नोटिम में स्पष्ट किया गया था कि सप्टीकरण प्राप्त न होने की दणा में यह माना जारोगा कि किंग्रपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

तथा यह कि ग्राम पंचायत एवं विकास ग्रिक्षिकारी ग्राम पंचायत सुधार से पंचायत ग्रिमलेख पर ग्राधारित जन्म प्रमाण-पत्न दिनांक 12-7-2001 तथा परिवार रिजस्टर धनुमार ग्राम घघटयाण के परिवार संख्या 6ग की प्राप्त प्रमाणित प्रतियों ग्रनुमार श्रीमती भाग तासी पत्नी श्री हेत राम ग्राम घघटयाण, ग्राम पंचायत सुधार के दिनांक 8-6-2001 के पण्चात दिनांक 28-6-2002 को तीमरी मन्तात पुत्र के उत्पन्त होने की पुष्टि होती है इस प्रकार उक्त पंचायत पदाधिकारी, हिमाचल प्रदेण पंचायती राज श्रीक्षित्यम, 1994 की श्रारा 122(1) के खण्ड (ण) में विणित ग्रियोग्यता की परिधि में ग्राते हैं। यह प्रावधान दिनांक 8-6-2001 में प्रभावी है।

उपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में उपरोक्त पंचायत पदाधिकारी का ग्रपने पद पर पदामीन रहना हिमाचल | प्रदेश पंचायती राज मिबिनियम, 1994 व सम्बन्धित तियमों में उघृत प्रावधानों के प्रतिकूल होगा।

श्रतः मैं, जे 0 पी 0 मिह (भा 0 प 0 मे 0), उपाय कत, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज श्रिधितियम, 1994 की धारा 122(1) के खण्ड (ग) व 122 (2) के ग्रन्तगंत प्राप्त है. श्रीमतो भाग दामी, प्रधान, ग्राम पंचायत सुधार, विकास खण्ड द्रग को तत्तकाल अपने पद पर श्रामीन रहने के ग्रयोग्य घोषित करता हूं तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज श्रिधितियम. 1994 को धारा 131(1) व (2) के प्रावधान की श्रतुपालता में ग्राम पंचायत सुधार, विकास खण्ड द्रंग के प्रधान के पद को रिक्त धोषित करता हूं।

ग्रादेश द्वारा.

जे 0 पी 0 सिंह, उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश ।